

वर्ण तथा वर्णमाला

(letter and Alphabet)

2

देखिए, पढ़िए और समझिए-



भालू = भ् + आ + ल् + ऊ
(4 ध्वनियाँ)



बच्चा = ब् + अ + च् + च् + आ
(5 ध्वनियाँ)

बच्चो! आपने देखा, कि ऊपर लिखे शब्द 'भालू' = भ् + आ + ल् + ऊ = 4 ध्वनियों तथा 'बच्चा' = ब् + अ + च् + च् + आ = 5 ध्वनियों से मिलकर बने हैं। यही ध्वनियाँ जब लिखी जाती हैं तो **वर्ण** या **अक्षर** कहलाती हैं।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि-

वह ध्वनि जिसके और अधिक टुकड़े नहीं हो सकते, **वर्ण** कहलाती है।

वर्णमाला

वर्णों के लिखे गए क्रमबद्ध समूह को **वर्णमाला** कहते हैं।

वर्ण के भेद

वर्ण दो प्रकार के होते हैं-

1. स्वर
2. व्यंजन

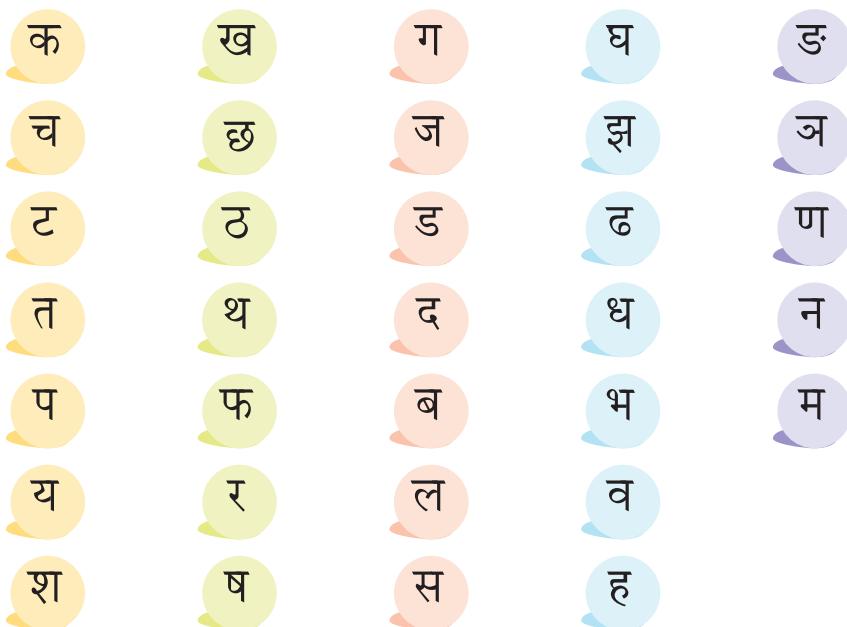
1. स्वर

जिन वर्णों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है, उन्हें **स्वर** कहते हैं। हिंदी भाषा में 11 स्वर होते हैं—



2. व्यंजन

जिन वर्णों का उच्चारण स्वर की सहायता से होता है, उन्हें **व्यंजन** कहते हैं। हिंदी भाषा में 33 व्यंजन होते हैं; जैसे—



याद रखिए

- स्वर के बिना व्यंजन हलंत () लगाकर लिखे जाते हैं।
- क, ख, ग आदि सभी व्यंजनों में 'अ' स्वर लगा होता है; जैसे- क् + अ = क

अन्य व्यंजन

हिंदी वर्णमाला में 'ङ' तथा 'ঢ' दो विकसित व्यंजन हैं। ये व्यंजन किसी शब्द के प्रारंभ में नहीं आते हैं। ये शब्द के बीच में या अंत में आते हैं; जैसे- जঢ়, সঢ়ক, গঢ়, অলীগঢ় আदি।



संयुक्त व्यंजन

क्ष, त्र, ज्ञ तथा श्र हिंदी भाषा में 4 संयुक्त व्यंजन हैं। ये दो व्यंजनों के मेल से बने हैं; जैसे –

क् + ष = क्ष

त् + र = त्र

ज् + ज = ज्ञ

श् + र = श्र

अयोगवाह

जो वर्ण न तो स्वर हैं और न ही व्यंजन, उन्हें अयोगवाह कहते हैं। ‘अं’ तथा ‘अः’ अयोगवाह हैं।

अनुस्वार

‘अं’ को अनुस्वार कहते हैं। इसका चिह्न (̄) है। यह बिंदु वर्ण के ऊपर लगता है; जैसे – कंधा, बंदर आदि।

अनुनासिक

‘ॐ’ को अनुनासिक कहते हैं। इसका चिह्न (̄) है। इसे चंद्रबिंदु भी कहते हैं; जैसे – साँप, दाँत, पाँच आदि।

विसर्ग

‘अः’ को विसर्ग कहते हैं। इसका चिह्न (:) शब्द के बीच में या अंत में लगता है; जैसे – दुःख, नमः, प्रातः आदि।

आगत ध्वनि

‘ओ’ को आगत ध्वनि कहते हैं। यह अंग्रेजी भाषा के उच्चारण में ‘आ’ तथा ‘ओ’ के बीच की ध्वनि होती है। इसके अतिरिक्त ज्ञ तथा फ़ भी आगत ध्वनियाँ हैं।

स्वरों की मात्राएँ

प्रत्येक स्वर की मात्रा होती है। जब स्वर को किसी व्यंजन से मिलाकर लिखा जाता है, तो उसका स्वरूप बदल जाता है। स्वर के इस बदले हुए रूप को मात्रा कहते हैं। ‘अ’ स्वर की कोई मात्रा नहीं होती है। यह व्यंजन में पहले से लगा होता है। अन्य स्वरों की मात्राएँ अग्र प्रकार हैं–

स्वर	मात्रा	स्वर रहित व्यंजन	मात्रा सहित व्यंजन	मूल स्वरयुक्त शब्द	मात्रायुक्त शब्द
अ	-	क्	क	अमन	कमल
आ	ा	क्	का	आम	कार
इ	ि	क्	कि	इमली	किताब
ई	ी	क्	की	ईख	कील
उ	ु	क्	कु	उल्लू	कुत्ता
ऊ	ू	क्	कू	ऊपर	कूप
ऋ	ঁ	ক্	কৃ	ঁৰষি	কৃষক
এ	ঁ	ক্	কে	ঁড়ী	কেলা
ঐ	ঁ	ক্	কৈ	ঁেনক	কৈসা
আ	ো	ক্	কো	আোখলী	কোয়ল
ঐ	ৌ	ক্	কৌ	ঁৌরত	কৌআ

যাদ রাখিএ

□ ‘উ’ তথা ‘ऊ’ কী মাত্রাএঁ ‘র’ কে পেট মেঁ লাগতী হৈ; জৈসে-

র + উ = রু = রুপ্যা, রুচি আদি।

র + ঊ = রু = রূমাল, রূপবান, কুরূপ আদি।



আআো দোহুৰাএঁ



- ❖ বৰ্ণ ভাষা কী সবসে ছোটী ইকাৰ্ড হোতী হৈ।
- ❖ বৰ্ণো কে লিখে গাএ ক্ৰমবৰ্ধ সমূহ কী বৰ্ণমালা কহতে হৈ।
- ❖ বৰ্ণ কে দো ভেদ হৈ – স্বর তথা ব্যংজন।
- ❖ স্বরো কে বদলে হুए স্বৰূপ কী মাত্রা কহতে হৈ।



अब बताइए



(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए-

1. भाषा की सबसे छोटी इकाई है—
 (i) वर्ण (ii) शब्द (iii) वाक्य
2. वर्णों के भेद हैं—
 (i) एक (ii) दो (iii) तीन
3. हिंदी में स्वर वर्ण होते हैं—
 (i) 9 (ii) 10 (iii) 11
4. इनमें अनुस्वार वर्ण है—
 (i) अं (ii) अँ (iii) अः
5. इनमें आगत ध्वनि है—
 (i) ओ (ii) औ (iii) ऑ

(ख) नीचे दिए शब्दों से रिक्त स्थान भरिए—

संयुक्त, वर्ण, अनुनासिक, वर्ण

1. ध्वनि के लिखित रूप को कहते हैं।
2. दो प्रकार के होते हैं।
3. ‘अँ’ वर्ण है।
4. ‘क्ष’ व्यंजन है।

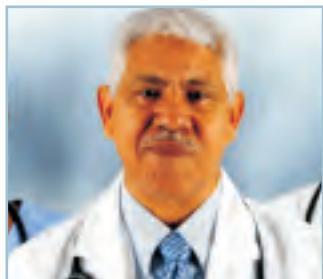
(ग) निम्नलिखित को सुमेल कीजिए—

- | | |
|-------------------|------------------|
| 1. आगत ध्वनि | (i) अँ |
| 2. संयुक्त व्यंजन | (ii) अः |
| 3. अनुस्वार | (iii) ऑ |
| 4. अनुनासिक | (iv) क्ष, त्र, झ |
| 5. विसर्ग | (v) अं |

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

1. वर्ण किसे कहते हैं? ये कितने प्रकार के होते हैं?
2. व्यंजन किसे कहते हैं? ये कितने होते हैं?
3. संयुक्त व्यंजन से आप क्या समझते हैं? लिखिए।
4. आगत ध्वनि किसे कहते हैं? प्रमुख आगत ध्वनियाँ लिखिए।
5. मात्रा किसे कहते हैं?

(झ) उचित मात्रा लगाकर शब्द पूर कीजिए—



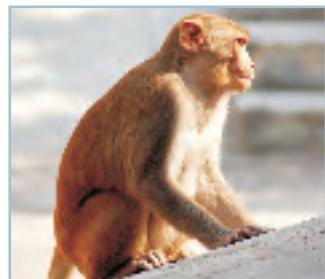
डाक्टर



जकर



साप



बदर

(च) पढ़िए, समझिए और लिखिए—

1. चूहा =चू+ऊ+हा+आ.....
2. चिड़िया =
3. पुस्तक =
4. मंदिर =

(छ) इन वर्णों से बनने वाले दो-दो शब्द लिखिए—

- | | |
|----------------|----------------|
| 1. क्ष = | 2. त्र = |
| 3. ज्ञ = | 4. श्र = |

(ज) एक चार्ट पेपर पर स्वर तथा व्यंजन अलग-अलग लिखिए जो सुंदर और आकर्षक लगे। चार्ट को अपनी कक्षा में लगाइए।

(झ) समाचार-पत्र एवं पत्रिकाओं से विभिन्न मात्राओं के लगभग 20-25 शब्द काटकर अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लगाइए।

